हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

11 संत कबीर दास के विचार सत्य और मानवता का मार्ग दिखाते...

12 ऑपरेशन आक्रमण के तहत 6 घंटे में नशा तस्कर और चोर दबोचे

जून में मई के मुकाबले 28 करोड़ यूनिट तक बढ़ी डिमांड

प्रतिदिन एक करोड़ 40 लाख यूनिट बिजली की हो रही खपत

बरसात से सामान्य हो सकते हैं हालात

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जून माह में इस बार अब तक प्री मानसून की बरसात न होने का सीधा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। जून मास में बिजली आपूर्ति की डिमांड एकदम से सीधे 28 करोड़ यूनिट तक बढ़ गई है। यही कारण है कि विद्युत निगम को गांवों को छोड़िए, शहरों में भी बिजली के अघोषित कट लगाने पड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, रात के समय तो हालात ओर भी खराब हो जाते हैं। रात के समय बिजली निगम को मजबूरन कम वोल्टेज में बिजली मुहैया करवानी पड़ रही है। अगर जल्द ही अच्छी और नियमित बारिश नहीं हुई तो आने वाले दिन बिजली आपूर्ति के लिहाज से ओर भी बदतर हो सकते हैं। फतेहाबाद सर्कल में प्रतिदिन की बात की जाए तो अप्रैल माह में 55 लाख 91 हजार यूनिट प्रतिदिन की डिमांड थी, जोकि मई में थोड़ी कम होकर 47 लाख यूनिट प्रतिदिन तक आ गई। जून आते-आते भीषण गर्मी ने जोर पकड़ा तो बिजली की डिमांड प्रतिदिन बढ़कर 1 करोड़ 40 लाख यूनिट तक जा पहुंची। इसकी पुष्टि खुद बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता भी कर रहे हैं। कम बारिश के चलते बिजली की डिमांड एकदम से बढ़ गई है, जिसके चलते बिजली आपूर्ति में परेशानी आ रही है। रविवार को भी यहां दिनभर बिजली के कट लगते रहे वहीं कम वोल्टेज की समस्या भी बनी रही।

दिनभर बिजली के कट लगते रहे, कम वोल्टेज की समस्या भी बनी रही

फतेहाबाद। 33 केवी सब स्टेशन में ओवरलोड मशीनरी। फोटो: हरिभूमि

उत्तरी ग्रिड भी हो जाता है ओवरलोड

बारिश न होने से बिजली की डिमांड बढ़ती है तो उत्तरी ग्रिड भी ओवरलोड हो जाता है। उत्तरी ग्रिड ओवरलोड होने से पानीपत सिस्टम ऑपरेशन के पास बिजली कटौती का संदेश आता है। मजबूरन उन्हें बिजली बंद करनी पड़ती है। इस बार प्री मानसून की बारिश अभी तक न होने से बिजली की डिमांड एकाएक बढ़ गई है। इस बारे उपभोक्ता को बिजली खपत कम करने की कोशिश करनी चाहिए। बरसात होते ही सारी स्थिति सामान्य हो जाएगी। राहत की बात है कि इस बार मौसम वैज्ञानिकों ने भी जल्द मानसून आने की संभावना जताई है।

अप्रैल से जून तक आपूर्ति (2026)

मास	यूनिट
अप्रैल	16.77 करोड़
मई	14.10 करोड़
जून	42 करोड़

अप्रैल से जून तक आपूर्ति (2025)

मास	यूनिट
अप्रैल	14.76 करोड़
मई	12.35 करोड़
जून	37.2 करोड़

अलग खबर

बारिश न होने पर जुलाई में डिमांड 17 करोड़ यूनिट करेगी पार

फतेहाबाद सर्कल में टोहाना व फतेहाबाद दो डिवीजन पड़ते हैं। फतेहाबाद डिवीजन में फतेहाबाद शहर, रतिया शहर, बड़ोपल व भट्टूकलां आते हैं। सर्कल में मई के मुकाबले जून में तीन गुणा बिजली की डिमांड बढ़ गई है। विद्युत निगम के औपचारिक आंकड़े भी यही कह रहे हैं। इसी साल अप्रैल में जिले में बिजली की कुल डिमांड 16 करोड़ 77 लाख यूनिट थी। मई में यह कम होकर 14 करोड़ 10 लाख तक आ गई। दरअसल मई में सात बार पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ और आंधी-बारिश के साथ बूंदाबांदी का दौर चलता रहा। यही कारण है कि इस बार मई में बिजली की डिमांड कम रही। जून में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचा तो बिजली निगम भी हांफ गया। यहां प्रतिदिन 1 करोड़ 40 लाख यूनिट की खपत बढ़ी। यानि कि पूरे जून मास में 42 करोड़ यूनिट बिजली सप्लाई हुई। बिजली निगम के अधिकारियों की चिंता भी इसी कारण बढ़ रही है। अगर पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो अगले माह बिजली डिमांड बढ़कर इससे भी अधिक चली जाएगी। इतनी बिजली का इंतजाम करना बिजली निगम के अधिकारियों के लिए मुश्किल भरा हो सकता है।

बिजली निगम सुधार के लिए नहीं छोड़ रहा कोई कसर

ऐसा नहीं है कि बिजली निगम ने गर्मी में लोड बढने की स्थिति से निपटने का कोई इंतजाम नहीं किया। निगम ने अपनी तरफ से कोई कसर भी नहीं छोड़ी। फतेहाबाद के भट्टू रोड स्थित 33 केवी सब स्टेशन की क्षमता 26 एमवीए से बढ़ाकर 28 एमवीए की गई है। ऐसे ही बनगांव में 10 एमवीए से 20 एमवीए, हुडा सैक्टर में 16.3 एमवीए से 20 एमवीए, भट्टू सोतर में 10 से 20 एमवीए, कुलां में 10 से 20 एमवीए, हड़ौली में 24.3 से 28 एमवीए तक क्षमता बढ़ाई गई थी।

शिकायत केन्द्र पर कोई सुनने वाला नहीं

मेनपावर के हिसाब से निगम पहले ही कमजोर है। हालांकि निगम की मेनपॉवर में इजाफा हुआ है लेकिन बढ़ती शहरी क्षेत्र को देखते हुए यह अभी भी अपर्याप्त है। अब यह स्थिति है कि रातभर घरों में एसी चल रहे हैं। ऐसे में लोड बढ़ते ही ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं भी बढनी लगी हैं। शिकायत केन्द्र का नंबर लगातार बजता रहता है, उठाने वाला कोई कर्मचारी नहीं होता।

मानसून सिर पर, लेकिन नाले अब भी गाद से पटे

चिल्ली के मुहाने पर गंदगी का अंबार, शहर में जलभराव का बड़ा खतरा

- अशोक नगर समेत कई इलाकों में नहीं हुई सफाई, दो साल पहले आई बाढ़ से भी नहीं लिया सबक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मानसून की दस्तक कभी भी हो सकती है, लेकिन शहर में बरसाती पानी की निकासी के इंतजाम अब भी अधूरे हैं। शहर के पानी की निकासी का मुख्य साधन बने चिल्ली के मुहाने और बरसाती नालों में भारी मात्रा में गाद, कचरा और झाडियां जमा हैं। वहीं अशोक नगर के नालों और चिल्ली में भी महीनों से गाद नहीं निकाली गई है, जिससे बरसात शुरू होते ही पानी की निकासी प्रभावित होने और शहर के कई हिस्सों में जलभराव की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग द्वारा प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने और आगामी दिनों में बारिश की संभावना जताई जा रही है। इसके बावजूद जनस्वास्थ्य विभाग और संबंधित एजेंसियों की ओर से नालों की समुचित सफाई का काम धरातल पर नजर नहीं आ रहा। शहरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई नहीं हुई तो पहली तेज बारिश में ही निचले इलाके पानी में डूब सकते हैं। सबसे अधिक चिंता चिल्ली के उस मुहाने को लेकर है, जहां से शहर का अधिकांश बरसाती पानी बाहर निकलता है। वर्तमान में यहां गाद और कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिससे पानी का प्रवाह बाधित हो सकता है। अशोक नगर क्षेत्र के निकासी नालों का भी यही हाल है। शहर के लोगों का कहना है कि वर्ष 2024 में आई भीषण बाढ़ के दौरान फतेहाबाद के आसपास के क्षेत्रों में कई दिनों तक पानी भरा रहा था। उस समय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के दावे किए थे, लेकिन दो साल बाद भी हालात में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं देता।

फतेहाबाद। चिल्ली के मुहानों पर जमा गंदगी। फोटो: हरिभूमि

सभी प्रमुख नालों की सफाई की मांग

यदि आगामी दिनों में सामान्य से अधिक बारिश होती है तो जवाहर चौक, तुलसीदास चौक, अशोक नगर सहित शहर की कई निचली कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मानसून शुरू होने से पहले सभी प्रमुख नालों और चिल्ली के मुहानों की युद्धस्तर पर सफाई कराई जाए, ताकि शहर को जलभराव और संभावित बाढ़ जैसी स्थिति से बचाया जा सके। शहरवासियों का कहना है कि हर साल बारिश से पहले नालों की सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन इस बार भी यदि लापरवाही बरती गई तो इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ेगा। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मानसून की पहली बारिश से पहले प्रशासन कागजी तैयारियों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर कितनी कार्रवाई करता है। नगरपरिषद पूर्व में मानसून से पहले बरसाती नालों की सफाई करवाती आई है। इस बार जनस्वास्थ्य विभाग ने तो शहर में सीवरेज मेनहोलों की तो सफाई कर दी लेकिन नगरपरिषद ने इसके लिए कोई प्रयास ही नहीं किया। चिल्ली में सफाई का जिम्मा नगरपरिषद का है। हालात यह है कि नगरपरिषद के पास इस समय 80 करोड़ से अधिक का फंड बैंकों में पड़ा है लेकिन आपसी राजनीतिक खींचतान, पार्षदों द्वारा कमीशन मांगने के आरोपों के चलते नगरपरिषद के अधिकारी अपनी जिम्मेवारी से भाग रहे हैं।

जान से मारने की धमकी देने के चार आरोपी काबू

डबवाली। पुलिस ने घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों रणजीत सिंह, गुरतेज सिंह, पृथ्वी सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बीती 24 जून को गोरीवाला पुलिस चौकी में प्राप्त शिकायत में गांव गंगा में एक व्यक्ति पर आरोपियों द्वारा उसके घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाई और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज हुआ था। पुलिस ने इस मामले में केस दर्जकर जांच आरंभ की घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, गुप्त सूचनाओं एवं गहन पूछताछ के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सुप्रीम कोर्ट की पहल

'समाधान समारोह' से विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे को मिलेगा बढ़ावा

21, 22 व 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत लगाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने समक्ष लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'समाधान समारोह' नामक एक विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से निपटारा सुनिश्चित करना है। यह अभियान 21 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है और इसका समापन 21, 22 एवं 23 अगस्त को आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बगोतिया ने बताया कि इस विशेष अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में पक्षकारों को आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाया जा सके।

एडीसी ने जांची सफाई व्यवस्था

- जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में निकासी नालों का निर्माण और पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

मानसून के दौरान शहर में जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में निकासी नालों का निर्माण और पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। इसी कड़ी में रविवार को अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने शहर के प्रमुख जल निकासी नालों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और जल निकासी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

भूना। जल निकासी नालों का निरीक्षण करते अतिरिक्त उपायुक्त। फोटो: हरिभूमि

10.18 ग्राम हेरोइन सहित नशा तस्कर किए काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस की सीआईए टीम ने भूना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए गांव नाढोड़ी निवासी युवक को 10.18 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की तलाशी नायब तहसीलदार की मौजूदगी में कराई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भूना थाना में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सीआईए टीम के एएसआई राजेश कुमार अपनी टीम के साथ भूना बस अड्डा क्षेत्र में गश्त और अपराधियों की तलाश में मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि गांव नाढोड़ी निवासी विनोद कुमार नशे के आदी लोगों को हेरोइन बेचने के लिए भूना-नाढोड़ी रोड पर रजवाहे के पास खड़ा है। सूचना को आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

उपन्यास झूमरी का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भारत विकास परिषद शहीद भगत सिंह शाखा सिरसा द्वारा रविवार को अविनाश कांत शर्मा द्वारा लिखा उपन्यास झुमरी का लोकार्पण किया गया। श्री युवक सहित सदन सिरसा में आयोजन में श्री प्रेम कंबोज प्रिंसिपल नैशनल कॉलेज सिरसा मुख्य अतिथि थे। उपन्यास की समीक्षा डॉ. शील कौशिक, ज्ञानप्रकाश पीयूष, सुमन शर्मा और हरीश सेठी झिलमिल द्वारा की गई। श्री ब्राह्मण महा सभा सिरसा के अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा, हरियाणा व्यापार मंडल सिरसा के अध्यक्ष हीरा लाल शर्मा ने भारत विकास परिषद शहीद भगत सिंह शाखा द्वारा किए गए सामाजिक कार्य करने के लिए शाखा अध्यक्ष राम प्रकाश शर्मा को सम्मानित किया। शाखा सदस्यों द्वारा पूरे कार्यक्रम में व्यवस्था बनाए रखी। इस कार्यक्रम में ओम प्रकाश शर्मा, कमलकांत, शशि शर्मा, किरण कांत, अश्वनी शर्मा, रूप देव गुण, डॉ. राज कुमार निजात, प्रो. प्रहलाद कौशिक, डॉ. बी आर शर्मा, आरके भारद्वाज, डॉ. यज्ञ दत्त वर्मा, बृजेश मिश्रा, अशोक उपाध्याय, डॉ. गौरव खुराना आदि मौजूद रहे।

सिरसा। उपन्यास झूमरी का लोकार्पण करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सिरसा में चूरापोस्त सहित चार गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिले क्षेत्र से चार तस्करों को गिरफ्तार कर चूरापोस्त व हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी कमलेश, गुरलाल सिंह, विष्णु व भीमा सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए डबवाली पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव अहमदपुर दारेवाला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति प्लास्टिक का थैला लेकर आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे रोका और तलाशी ली तो उसके कब्जे से साढ़े सात किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ।

चूरापोस्त के साथ पकड़ा गया आरोपी।

शहीद चौक की दुर्दशा पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

टोहाना में हिसार रोड स्थित शहीद चौक की जर्जर हालत और पुनर्निर्माण न होने से शहर के सामाजिक संगठनों और किसान नेताओं में गहरा रोष है। रविवार को इन संगठनों ने सरकार और प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी। संयुक्त किसान मोर्चा, अखिल भारतीय सभा, पगड़ी संभाल जट्टा और बीकेयू एकता उग्राहां के पदाधिकारी चौक पर एकत्रित हुए। उन्होंने कहा कि यदि चौक का पुनर्निर्माण नहीं किया गया, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे और 15 अगस्त को किसी भी मंत्री को यहां माल्यार्पण नहीं करने देंगे। मनदीप सिंह ने बताया कि प्रशासन द्वारा चौक का क्षेत्र छोटा करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने तर्क दिया कि चौक ट्रैफिक नियमों का पालन न करने से टूटते हैं, न कि चौक की वजह से दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने चंडीगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां बड़े चौक हैं, लेकिन हरियाली भी है, जबकि यहां पौधे सूख रहे हैं।

जीर्णोद्धार और रखरखाव की मांग

पूर्व ग्राम सचिव ने बताया कि शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाएं 1991 से यहां स्थापित हैं। उन्होंने प्रतिमाओं की दयनीय स्थिति पर दुख व्यक्त किया और कहा कि चौक टूटा हुआ है, जहां पशु चढ़ते और गंदगी करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, विधायक परमवीर सिंह या नगर परिषद चेयरमैन, किसी ने भी इसकी सुध नहीं ली है। उन्होंने दो सप्ताह के भीतर चौक के जीर्णोद्धार और रखरखाव की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो एक उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

हमला करने के चार आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाने के मामले में चार आरोपियों रणजीत सिंह, गुरतेज सिंह, पृथ्वी सिंह और सुखदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार व डंडे भी बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी गोरीवाला में प्राप्त शिकायत में गांव गंगा में एक व्यक्ति पर आरोपियों द्वारा उसके घर में घुसकर हमला कर चोट पहुंचाई और जान से मारने की धमकी भी दी। जिसके संबंध में आरोपियों के खिलाफ थाना सदर डबवाली में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान चौकी गोरीवाला प्रभारी एएसआई जगपाल सिंह के नेतृत्व में उनकी टीम ने घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, गुप्त सूचनाओं एवं गहन पूछताछ के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर गिरफ्तार कर लिया।

24 परिवारों ने छोड़ा करीब पौने दो एकड़ कब्जा, जलभराव व जल संरक्षण दोनों का होगा समाधान

50 साल बाद अतिक्रमण मुक्त हुआ पिनाना जोहड़, मानसून से पहले शुरू हुई खुदाई

वर्षा जल का अधिकतम संग्रह करने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

मानसून से पहले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में ग्राम पंचायत नहला ने बड़ी पहल करते हुए आबादी के बीच स्थित पिनाना जोहड़ को अतिक्रमण मुक्त कराने के बाद उसकी खुदाई शुरू करा दी है। करीब 50 वर्षों से कब्जे की चपेट में रहे इस जोहड़ की भूमि अब आधुनिक मशीनों से गहरी की जा रही है, ताकि बरसात का पानी आसानी से संग्रहित हो सके और गांव में जलभराव की समस्या से राहत मिले।

भूना। नहला गांव के पिनाना जोहड़ से अतिक्रमण हटने के बाद आधुनिक मशीनों से खुदाई कराती ग्राम पंचायत। फोटो: हरिभूमि

आधुनिक मशीनों से खुदाई कराई जा रही

सरपंच कृष्ण कुमार ढिल्लों और ग्राम सचिव विक्रम सिवाच ने बताया कि पहले मनरेगा के तहत तालाब की खुदाई कराने की योजना थी, लेकिन क्षेत्र सेमग्रस्त होने और भू-जल स्तर अधिक होने के कारण आधुनिक मशीनों से खुदाई कराई जा रही है। लक्ष्य है कि मानसून से पहले तालाब को पर्याप्त गहरा कर वर्षा जल का अधिकतम संग्रह किया जाए। पंचायत का कहना है कि इस अभियान में ग्रामीणों का भी पूरा सहयोग मिल रहा है, जिससे भविष्य में गांव को जलभराव से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ऋषभ सिंगला ने ग्राम पंचायत और ग्रामीणों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जोहड़ों को अतिक्रमण मुक्त कर उनका पुनर्जीवन करना जल संरक्षण और जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

स्वयं हटाया अतिक्रमण

ग्राम पंचायत के अनुसार खसरा नंबर 416 की करीब साढ़े चार एकड़ जोहड़ भूमि में से लगभग पौने दो एकड़ पर 24 परिवारों ने वर्षों पहले अवैध कब्जा कर रखा था। इनमें आठ परिवारों ने पक्के मकान बनाए हुए थे, जबकि 16 परिवारों ने पशुओं के बाड़े, गोबर खाद व अन्य अस्थायी निर्माण कर रखे थे। पंचायत ने लगातार नोटिस जारी कर कब्जा हटाने के प्रयास किए। सरकार के निर्देशों के बाद हुई कार्रवाई के चलते कब्जाधारियों ने स्वयं अतिक्रमण हटा लिया।

मां-बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

फतेहाबाद। क्षेत्र के गांव अलीपुर बरोटा से एक मां और उसकी 5 वर्षीय मासूम बेटी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बाद भी जब दोनों का कोई सुराग नहीं लगा, तो इस संबंध में सदर फतेहाबाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव अलीपुर बरोटा निवासी राजविन्द्र सिंह ने बताया कि उसकी 28 वर्षीय पत्नी मनप्रीत कौर बीती 25 जून को अपनी 5 साल की बेटी तन्नु को साथ लेकर घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। राजविन्द्र के अनुसार, उसने अपनी पत्नी और बेटी की अपने स्तर पर रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।
- ***मुंशी प्रेमचंद***

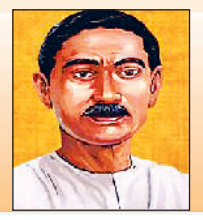

कहानी

आशा खत्री 'लता'

मेरा बच्चा कहां है

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।

अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

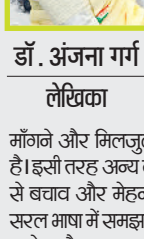

डॉ. अंजना गर्ग

लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता

सुधीर ढांडा

छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता

मनीषा मंजरी

दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखठ पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो माता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन

आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाजुक मानसिकता पर जब इस बिते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर

आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की जरूरी आवाजे भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के गुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाजुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नजरे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीजों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है।

कुछ हटकर

एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

मोटिवेशनल

दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'

कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँसू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंजिल बन जाती है।

खबर संक्षेप

शिविर में 37 यूनिट रक्त एकत्रित

सिरसा। जिला के गांव शेखूपुरिया में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर गांव के प्राथमिक विद्यालय में लगाया गया, जहां सरकारी अस्पताल सिरसा से अश्वनी कुमार और सरिता देवी अपनी ब्लड बैंक टीम के साथ पहुंचे। शिविर में 37 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस नेक कार्य में युवाओं ने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया। युवा सैन सभा सिरसा के सचिव अनिल सैन अपनी टीम के साथ पहुंचे और रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया।

ज्ञान सिंह की पार्थिव देह मेडिकल शोध के लिए दान

सिरसा। इंसानियत की सेवा का जज्बा यदि जीवन भर कायम रहे तो मृत्यु के बाद भी समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। ऐसा ही उदाहरण ब्लॉक कल्याण नगर की परमार्थ कॉलोनी निवासी 79 वर्षीय ज्ञान सिंह ने पेश किया। उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए परिजनों ने उनकी पार्थिव देह मेडिकल शोध कार्यों के लिए दान कर मानवता की अनूठी मिसाल कायम की। डेरा सच्चा सौदा की अमर सेवा मुहिम के तहत उनकी पार्थिव देह मेडिकल शोध कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश स्थित बापू आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड

मीरपुर में जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव 30 को

सिरसा। जिला प्रशासन सिरसा द्वारा खंड सिरसा के गांव मीरपुर में 30 जून को रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन के रात्रि ठहराव कार्यक्रम में आमजन अपनी समस्याएं मौके पर मौजूद जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रख सकते हैं, जिनका मौके पर ही समाधान का प्रयास किया जाएगा। गांव के राजकीय मिडल स्कूल में रात्रि ठहराव कार्यक्रम शाम चार बजे से शुरू होगा। इससे पहले सुबह 10 बजे से जिला प्रशासन के सभी विभाग दिन में आमजन को स्टाल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

अवैध देसी शराब सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भट्टू कलां पुलिस ने गांव मेहूवाला निवासी रामकुमार को 29 बोतल अवैध देसी शराब सहित काबू किया। थाना प्रभारी निरीक्षक रणधीर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध रोकथाम के दौरान गांव मैहुवाला में मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति सफेद प्लास्टिक का कट्टा लेकर संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर वह तेज कदमों से वहां से जाने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने उसे काबू कर कट्टे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कट्टे से 17 बोतल देसी शराब माल्टा, 8 बोतल देसी शराब चार्ली तथा 4 बोतल देसी शराब शाही, कुल 29 बोतल अवैध देसी शराब बरामद हुई। आरोपी बरामद शराब के संबंध में कोई लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका।

जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक मोटरसाइकिल मैकेनिक पर जानलेवा हमला करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान टोहाना की गुप्ता कॉलोनी निवासी देवी लाल पुत्र रूल्दूराम और कैथल के गांव फरल निवासी शगुन पुत्र भीरभान के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि गीता कॉलोनी निवासी आशु पुत्र लालचंद ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में आशु ने बताया था कि वह भूना रोड स्थित एक मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान पर काम करता है। बीते 14 जून को जब वह दुकान पर मौजूद था, तभी एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में सवार होकर चार युवक वहां आए। आरोपियों ने आते ही उस पर लकड़ी के डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

हंसावाला में संत शिरोमणि कबीर दास की 629वीं जयंती पर कार्यक्रम

संत कबीर दास के विचार समाज को सत्य व मानवता का मार्ग दिखाते हैं : बराला

पीएम मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को भी सुनां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव हंसवाला में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि संत शिरोमणि कबीर दास जी के समरसता, समानता, सत्य एवं मानवता के संदेश तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से मिलने वाली प्रेरणा समाज को सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है। संत कबीर दास के आदर्श सामाजिक सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं, जबकि मन की बात देशवासियों को जनसेवा, नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं विकसित भारत के संकल्प में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करती है। सांसद सुभाष बराला रविवार को गांव हंसावाला में संत शिरोमणि कबीर दास जी की 629वीं जयंती के अवसर पर जय हंसावाला युवा स्पोर्ट्स क्लब एवं ग्रामवासियों द्वारा आयोजित जयंती समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संत कबीर दास के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को भी सुना। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि संत कबीर दास जी ने जाति, पंथ एवं ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानव मात्र की सेवा, समानता और सामाजिक एकता का संदेश दिया। उनके विचार समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत करें। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारा, एकता एवं सामाजिक समरसता को भी मजबूत करते हैं। युवाओं को संत महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में आगे आना चाहिए।

राज्यसभा सांसद सुभाष ने पौधरोपण करते हुए जय हंसावाला युवा स्पोर्ट्स क्लब, आयोजन समिति तथा समस्त ग्रामवासियों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दीं और कहा कि समाजहित एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए, जिससे भावी पीढ़ी अपने महापुरुषों के आदर्शों एवं संस्कारों से प्रेरणा प्राप्त कर सके।

जाण्डवाला सोत्तर में संत कबीर के प्रकाश पर्व पर भंडारा

रतिया। संत कबीर युवा शिक्षा समिति जाण्डवाला सोत्तर द्वारा संत शिरोमणि संत कबीर साहेब जी के 629वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संत कबीर चौपाल, गांव जाण्डवाला सोत्तर में सुबह 9 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में रतिया के विधायक जरनैल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक जरनैल सिंह ने संत कबीर जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। विधायक ने संत कबीर के दोहों व शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर जी ने समाज को एकता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं से कबीर के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच रामकुमार बागड़ी ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक समिति प्रतिनिधि राहुल सिहाग पहुंचे। समाजसेवी सीताराम धारणिया व नम्बरदार दलीप निनानिया भी विशेष रूप से मौजूद रहे। जाण्डवाला सोत्तर के ग्रामीणों व समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। सुबह से ही संत कबीर चौपाल में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। दिनभर चले भंडारे में आसपास के गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

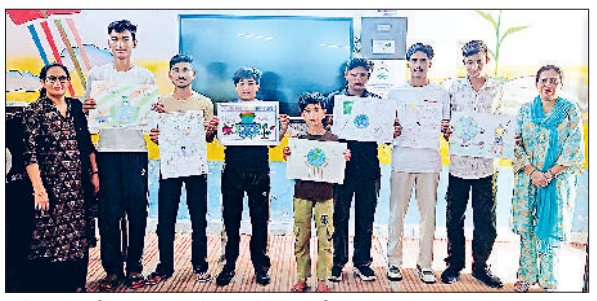

फतेहाबाद। ग्रीन समर कैंप में भाग लेते विद्यार्थी।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए खतरनाक

- एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रीन समर कैंप का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पर्यावरण, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। प्लास्टिक का यह कचरा मिट्टी को बंजर बनाता है, पानी को प्रदूषित करता है और माइक्रोप्लास्टिक के रूप में भोजन श्रृंखला में शामिल होकर जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है। यह बात शिक्षाविद मदन गोपाल आर्य ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोपल के प्रागंण में आयोजित सात दिवसीय एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रीन समर कैंप के समापन अवसर पर उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कही। इसके दुष्प्रभाव बताते हुए उन्होंने कहा कि केवल कुछ मिनटों के उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये उत्पाद सदियों तक नष्ट नहीं होते जिससे मिट्टी बंजर होती है और समुद्री जीवन तथा मानव स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होते हैं। इसके साथ-साथ प्लास्टिक कचरा मिट्टी और पानी में मिलकर मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को कम करता है। आवारा पशु इसे भोजन समझकर खा लेते हैं जिससे उनकी जान भी चली जाती है। हम दैनिक जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करके पर्यावरण को बचाने में सीधा योगदान दे सकते हैं। ईको क्लब की इंचार्ज एवं अंग्रेजी प्रवक्ता पूनम रानी ने सिंगल-यूज प्लास्टिक के अन्तर्गत बैग और थैलियां जो अक्सर सब्जी, दूध या अन्य समान लाने में प्रयोग होती तथा प्लास्टिक की प्लेटें, चम्मच, स्ट्रॉ और पानी की बोतलें, थर्मोकोल से बने खाद्य कंटेनर शामिल हैं, के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

छात्रों को किया जागरूक

इस सात दिवसीय कैंप के दौरान विद्यालय की प्राचार्य अनीता रानी ने भी विद्यार्थियों को जागरूक किया तथा इसे जन आन्दोलन बनाने का आह्वान किया। कैंप के नोडल अधिकारी विद्यासागर ने सात दिवसीय कैंप की पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कैंप के आयोजन में सीमा बंसल, सीमा भ्याणा, रेणू रानी, सुनीता सहारण, सुनीता जांगू, शिखा आनन्द, नीलम रानी, अंजु रानी, सोनू रानी गढ़वाल, संगीता ठकराल, रेखा रानी, रोहतास भाटिया, सुन्दर रामसरा, रविकांत, अतुल मताना, रमेश कुमार, जयदेव व अमित का भी अहम योगदान रहा।

स्वस्थ समाज में सामाजिक संस्थाओं की अहम भूमिका

महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट ने लगाया मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल जांच एवं रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। टोहाना में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते सांसद सुभाष बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना स्वस्थ जीवन की सबसे प्रभावी आदतों में से एक है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकती है, वहीं समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अनेक गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर प्रभावी उपचार का मार्ग प्रशस्त करता है। सांसद सुभाष बराला रविवार को महाराजा अग्रसेन ट्रस्ट, टोहाना के तत्वावधान में फोर्टिस अस्पताल, मोहाली तथा मानव सेवा संघम अस्पताल के सहयोग से आयोजित निःशुल्क मल्टीस्पेशलिटी मेडिकल जांच एवं रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सांसद ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को निरंतर मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, जागरूक और संवेदनशील समाज के निर्माण में सरकार के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। समाज सेवा की भावना से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर न केवल आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को भी सशक्त बनाते हैं।

पदाधिकारियों ने बधाई दी

शिविर में अपनी सेवाएं दे रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों, चिकित्सा कर्मियों, समाजसेवियों एवं स्वयंसेवकों का भी अभिनंदन किया और सफल आयोजन के लिए ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों एवं सहयोगियों को बधाई दी। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल, मंडल अध्यक्ष रमन मड़िया, रमेश गर्ग, संजय सिंगला, सुशील सिंगला सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गुरदित सिंह और पलक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

गुमटसर अकादमी के खेल मैदान में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लडक्रों के वर्ग में गुरदित सिंह बोला और लड़कियों के वर्ग में पलक सरोए को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। प्रतियोगिता का आयोजन कोच हरदीप सिंह बोला के मार्गदर्शन में हुआ, जिसका शुभारंभ बिकर सिंह चौहान ठेकेदार ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता में लड़कियों के ओपन वर्ग के हैमर थ्रो में खुशदीप कौर ने पहला, जसविन्द्र कौर ने दूसरा और कनिका रानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में पलक सरोए ने पहला, बक्शनूर ने दूसरा और परवाज ने तीसरा स्थान झटका। 3 किलोमीटर वाक रेस में पलक सरोए पहले, रियांश दूसरे और पूजा वर्मा तीसरे स्थान पर रहीं। लंबी कूद में गीता, रमनदीप और गुरप्रीत ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। शॉट पुट में प्रीत कौर प्रथम, जश्न चौहान द्वितीय तथा याशिका तृतीय रहीं। लडक्रों के ओपन वर्ग के शॉट पुट में गुरदित सिंह बोला प्रथम, हैप्पी द्वितीय और युवराज तृतीय रहे। 400 मीटर दौड़ में बगडू पहले, रणबीर राजू दूसरे और विक्रम तीसरे स्थान पर रहे।

कल मनाया जाएगा श्री गुरु हरगोबिंद साहिब का प्रकाश पर्व

रतिया। श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा ट्रस्ट, रतिया द्वारा छठे पातशाह श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व 30 जून को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान फतेह सिंह भुल्लर ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 30 वर्षों से लगातार श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी गुरुद्वारा पुराना बाजार स्थित श्री गुरु ग्रंथ साहिब नई बिल्डिंग में आज से तीन दिवसीय श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि श्री अखंड पाठ साहिब का भोग 30 जून को डाला जाएगा। इसके उपरांत दरबार साहिब में भाई त्रिलोक सिंह रागी जत्था द्वारा गुरबाणी एवं शब्द कीर्तन का गायन किया जाएगा तथा संगत को गुरु साहिब के जीवन और इतिहास से अवगत कराया जाएगा।

नुहियांवाली बस स्टैंड पर लगाई छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

भीषण गर्मी और तपती धूप को देखते हुए सामाजिक संस्था बालाजी सेवा समिति नुहियांवाली द्वारा एक सराहनीय कदम उठाया गया है। समिति के सदस्यों ने रविवार को गांव के मुख्य बस स्टैंड पर राहगीरों और यात्रियों के लिए ठंडे और मीठे पानी की छबील लगाई। गर्मी के इस मौसम में बस का इंतजार कर रहे यात्रियों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने इस सेवा का भरपूर लाभ उठाया। सेवा कार्य सुबह से शुरू होकर दोपहर तक लगातार चलता रहा। इसमें स्थानीय ग्रामीणों और समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। छबील के दौरान समिति के सदस्यों ने न केवल पानी पिलाया, बल्कि आने-जाने वाली बसों में जाकर यात्रियों को उनके स्थान पर ही ठंडा पानी उपलब्ध करवाया। ग्रामीणों ने समिति के इस परोपकारी कार्य की जमकर सराहना की और कहा कि इस तरह के सेवा कार्य मानवता की सच्ची सेवा हैं। इस मौके पर बालाजी सेवा समिति के सदस्य संदीप ज्यानी, प्रेम ज्याणी, सोनू स्टूडियो, अशोक स्वामी, रामेश्वर राम, महावीर कुकणा, शास्त्री मनीष जोशी, विनोद गोदारा सहित समिति के अनेक पदाधिकारी और सेवादार मौजूद रहे।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य विभाग देगा तीन करोड़ तक सब्सिडी

सिरसा। मछली पालन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाने, उत्पादन में सुधार, मत्स्य पालन में लागत कम करने और युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार परियोजनाओं के लिए तीन करोड़ तक की सहायता उपलब्ध करवाएगी। मत्स्य क्षेत्र में नवाचार, नई तकनीकों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए मत्स्य विभाग की यह महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत नई तकनीकों के परीक्षण, स्मार्ट एक्वाकल्चर, डिजिटल समाधान, जैव सुरक्षा, जल गुणवत्ता प्रबंधन और अन्य नवाचार आधारित परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया जाएगा। नवाचारों और नवीन परियोजनाओं, स्टार्टअप, इनक्यूबेटर और पायलट परियोजनाओं सहित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन योजना के तहत चयनित परियोजनाओं को निर्धारित मानकों के अनुसार तीन करोड़ रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

सुनैना चौटाला आज से करेंगी ग्रामीणों से संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हल्का फतेहाबाद में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) अपने जनसंपर्क अभियान को तेज करने जा रहा है। इसी कड़ी में इनेलो की महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला 29 जून सोमवार से फतेहाबाद हल्के के विभिन्न गांवों का तूफानी दौरा करेंगी। इस दौरान वे ग्रामीणों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनेंगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगी। इनेलो के जिला प्रेस प्रवक्ता अमन शर्मा ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि दो दिवसीय इस दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों में भारी उत्साह है। उन्होंने ग्रामवासियों, और कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि

दौरे के पहले दिन 29 जून को सबसे पहले शाम 4:30 बजे गांव भोड होशनाक में जनसंपर्क कार्यक्रम होगा। इसके बाद शाम 5:30 बजे सुनैना चौटाला गांव चिंदड के लोगों से संवाद करेंगी। पहले दिन का आखिरी कार्यक्रम शाम 6:30 बजे गांव धारनिया में आयोजित किया जाएगा। दौरे के दूसरे दिन की शुरुआत शाम 4:30 बजे गांव एमपी रोही से होगी।

फौज की ट्रेनिंग पूरी कर गांव लौटे साहिल निरानिया

फतेहाबाद। गांव मताना के युवा साहिल कुमार पुत्र राजेंद्र निरानिया ने भारतीय सेना की कठिन ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक पूरा कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद पहली बार गांव मताना पहुंचने पर साहिल कुमार का ग्रामीणों और परिजनों द्वारा बेहद गर्व के साथ स्वागत किया गया। सरपंच दलबीर वर्मा एडवोकेट ने साहिल को बधाई देते हुए कहा कि साहिल ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से गांव मताना का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि साहिल की यह सफलता गांव के दूसरे युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। सरपंच दलबीर वर्मा एडवोकेट ने पुलिस विभाग से खेल कोच विनोद मोरवाल का विशेष रूप से धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि कोच विनोद मोरवाल ने ही साहिल को बेहतरीन कोचिंग और सही गाइडेंस देकर इस मुकाम तक पहुंचाया है। सरपंच ने बताया कि विनोद मोरवाल आज भी पुलिस लाइन फतेहाबाद के खेल ग्राउंड में पूरी तरह निःस्वार्थ भाव से रोजाना गांव मताना के लडक्रे-लड़कियों को फिजिकल प्रैक्टिस करवाते हैं।

बढ़ते पर्यावरण संकट पर जागो संस्था ने सीएम को भेजा मांग पत्र

फतेहाबाद में दो प्रतिशत से भी कम बचा वन क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

देवेन्द्र दहिया

प्रदेश में लगातार बढ़ रहे पर्यावरण संकट, तेजी से गिरते भूजल स्तर और प्रदूषण के गंभीर खतरों से निपटने के लिए सामाजिक संगठन जागो ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजा है। इस ज्ञापन में संस्था ने किसानों को सामुदायिक वानिकी से जोडक़र उनके खेतों में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण करवाने और विशेष मुख्यमंत्री किसान हरित प्रोत्साहन योजना लागू करने की पुरजोर वकालत की है। संस्था के प्रदेश प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया, संरक्षक रिछपाल तरड़ और कानूनी सलाहकार प्रदीप जांगड़ा ने बताया कि प्रदेश का वन क्षेत्र राष्ट्रीय मानकों से बेहद कम है। कृषि प्रधान फतेहाबाद जिले में तो हरित क्षेत्र घटकर दो प्रतिशत से भी कम रह गया है, जिसके कारण गर्मियों में तापमान 46 डिग्री तक पहुंच रहा है।

खेतों में पेड़ लगाना हो अनिवार्य

संस्था ने सरकार से मांग की है कि किसानों को अपनी निजी भूमि पर पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने हेतु पहले पांच वर्षों तक प्रति एकड़ 20 से 30 हजार रुपये की वार्षिक आर्थिक सहायता दी जाए। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण में किसानों की जवाबदेही तय करने के लिए एक एकड़-दो पेड़ योजना को अनिवार्य किया जाए। जो किसान अपने खेत में कम से कम दो पेड़ नहीं लगाते, उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किया जाना चाहिए। संस्था के पदाधिकारियों ने चिंता जताते हुए कहा कि अधिक फसल के लालच में पंजाब और हरियाणा के किसानों ने खेतों से पेड़ों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, जिससे फसलों में बीमारियां बढ़ गई हैं और किसानों का पेस्टीसाइड पर खर्च चार गुना बढ़ गया है। इसके अलावा प्रत्येक गांव में 7 से 10 एकड़ भूमि पर घने मिनी जंगल विकसित करने की मांग भी उठाई गई है।

प्रदूषण फैलाने पर हो कठोर कार्रवाई

जागो संस्था के संरक्षक पदाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में वर्षों से खाली पड़े प्लाटों में फलदार व छायादार पौधे लगाने वाले भू-स्वामियों को टैक्स में छूट दी जानी चाहिए, जबकि लंबे समय तक प्लाट खाली छोडने वालों पर अतिरिक्त कमर्शियल भवन के अनुसार टैक्स लगाया जाए। इसके अलावा खुले में कूड़ा जलाने और औद्योगिक प्रदूषण फैलाने वालों पर भारी जुर्माने के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान हो। स्कूली पाठ्यक्रम में व्यावहारिक पर्यावरण शिक्षा शामिल कर हर विद्यार्थी को प्रतिवर्ष एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी दी जाए। इस दौरान संरक्षक रिछपाल तरड़, सुरेंद्र असीजा, वित्त सचिव सेवा सिंह मुवाल, उपप्रधान प्रमोद बजाज, मिथलेश रोहिला, डिंपल चौधरी, ने सरकार से हरियाणा हरित क्रांति-2 मिशन शुरू कर अगले दस वर्षों में वन क्षेत्र को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया।

खबर संक्षेप

श्री काली माता मंदिर में लगा मासिक भंडारा

ओढां। गौशाला रोड पर स्थित श्री काली माता मंदिर में मंदिर कमेटी व समस्त गांववासियों के सहयोग से आयोजित मासिक भंडारे का समापन हो गया। रविवार को श्रद्धालुओं ने माता रानी के स्वरूप को विधिपूर्वक स्नान करवाकर नए वस्त्र धारण करवाए और श्रृंगार किया। इसके बाद मंदिर के पुजारी अशोक शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ माता रानी को भोग लगवाया और कन्या पूजन के साथ लंगर शुरू करवाया जिसमें अनेक ग्रामीणों ने माता रानी का प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक अर्जुन चौटाला ने सुनीं समस्याएं

सिरसा। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने रविवार को डबवाली रोड स्थित इनेलो जिला कार्यालय में अपने हलके के लोगों की समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही समाधान किया। विधायक अर्जुन चौटाला ने हलकावासियों की बुढ़ापा पेंशन संबंधी, प्रशासनिक समस्याएं व पुलिस थानों से संबंधित कुछ केसों में आ रही दिक्कतों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनका मौके पर समाधान किया। इनेलो जिलाध्यक्ष जस्सा ने बताया कि इस दौरान विधायक अर्जुन चौटाला ने सभी हलकावासियों से आगामी 25 सितंबर को चौधरी देवीलाल जयंती पूरी श्रद्धा से मनाने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

युवाओं की आवाज दबा रही सरकार : सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने पंचकूला में एचपीएससी पीजीटी भर्ती से जुड़े ओबीसी एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के धरने को लेकर हरियाणा सरकार के रवैये पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि अभ्यर्थी लंबे समय से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे थे, तो सरकार का पहला दायित्व उनसे संवाद स्थापित कर समाधान निकालना होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आधी रात पुलिस कार्रवाई कर धरनास्थल खाली कराना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं।

डॉ. नरेंद्र बेनीवाल ने दी पदमश्री सविता को बधाई

सिरसा। बागवानी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रहे डॉ. नरेंद्र बेनीवाल ने हाल ही में भारतीय हॉकी में ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध खिलाड़ी सविता पूनिया को उनके आवास पर जाकर पदमश्री पुरस्कार मिलने पर सम्मानित होने पर बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मोबाइल चोरी करने का आरोपी काबू

सिरसा। पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोपी को चोरीशुदा मोबाइल सहित गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वार्ड नंबर-27, रानियां गेट निवासी मोहित शर्मा ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि बीती 26 जून की रात वह टाउन पार्क, सिरसा में सो रहा था। इसी दौरान एक युवक उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर मौके से फरार हो गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी रिंकू सिंह को फोन सहित गिरफ्तार किया।

फतेहाबाद में अपराधियों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

ऑपरेशन आक्रमण के तहत 6 घंटे में नशा तस्कर और चोर दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नशा, अवैध शराब और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ फतेहाबाद पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिलेभर में विशेष अभियान ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। महज छह घंटे तक चले इस सघन अभियान के दौरान पुलिस ने नशा तस्करी, अवैध शराब, चोरी और यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की।

इस दौरान भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और अवैध शराब बरामद कर कई आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। अभियान के तहत जिला पुलिस ने शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ पंजाब और राजस्थान सीमा से सटे संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष नाकाबंदी की। चौक-चौराहों पर भारी पुलिस बल तैनात कर संदिग्धों और वाहनों की गहन तलाशी ली गई, जिससे अपराधियों में हडक़ंप मच गया।

फतेहाबाद। चैकिंग अभियान चलाती पुलिस टीम। फोटो: हरिभूमि

हेरोइन और अफीम बरामद

नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 4 मामले दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 7.80 ग्राम हेरोइन, 115 ग्राम अफीम और 5.890 किलोग्राम गांजा सहित 23 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई। इसमें जाखल थाना पुलिस ने हेरोइन के साथ एक आरोपी को दबोचा, वहीं सदर रतिया थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक सेल की संयुक्त टीम ने अफीम व गांजे की बड़ी खेप पकड़ी। इसके अलावा आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 3 मुकदमे दर्ज कर 3 आरोपियों को दबोचा और उनके कब्जे से 134 बोतल अवैध शराब बरामद की।

चोरी में तीन गिरफ्तार, जीप व लैपटॉप बरामद

अपराधियों पर नकेल कसते हुए अपराध अनुसंधान शाखा टोहाना ने चोरी के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लैपटॉप बरामद किया। वहीं, एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई एक जीप बरामद की। चोरी के इन मामलों में कुल 2 केस दर्ज कर 3 आरोपियों को काबू किया गया है।

नियम तोड़ने वालों के काटे चालान

अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त नजर आई। मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए लेन चेंजिंग के नियमों का उल्लंघन करने पर 48 चालान काटे गए, जबकि अन्य यातायात नियमों को तोड़ने पर 40 वाहन चालकों के चालान किए गए। वहीं, पड़ोसी राज्यों राजस्थान और पंजाब की सीमाओं पर विशेष चौकसी बरतते हुए हर आने-जाने वाले वाहन की बारीकी से चेकिंग की गई।

अपराध और नशामुक्त समाज के लिए प्रतिबद्ध : एसपी

अभियान के बाद पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि फतेहाबाद पुलिस का मुख्य उद्देश्य केवल अपराधियों को पकडना नहीं, बल्कि समाज को पूरी तरह नशामुक्त बनाना, लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और सडकों पर सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसपी ने दोहराया कि जिले में अपराधमुक्त और भयमुक्त माहौल बनाने के लिए पुलिस की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सिरसा। पदमश्री गुरविंद्र सिंह ट्रेनर राहुल व उनकी टीम को सम्मानित करते हुए।

लोक संस्कृति से जुड़ें युवा पदमश्री गुरविंद्र सिंह

श्रीमत सिटी सेंटर द्वारा भंगड़ा वर्कशॉप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- मास्टर ट्रेनर राहुल व उनके साथियों ने भंगड़ा नृत्य के सरल टिप्स दिए

वर्तमान दौर में युवाओं को नशे और मोबाइल से बचाने के लिए उन्हें सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों से जोडना होगा और भंगड़ा नृत्य इसमें एक अहम रोल अदा कर सकता है। उक्त उद्गार पदमश्री गुरविंद्र सिंह ने श्रीमत सिटी सेंटर द्वारा भंगड़ा प्वाइंट के सहयोग से आयोजित भंगड़ा कार्यशाला के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज का युवा तेजी से मोबाइल फोन और नशे जैसी बुरी आदतों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिससे उसका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में आवश्यकता है युवाओं को अपनी संस्कृति, लोक कलाओं और खेल गतिविधियों से जोड़ा जाए, ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लग सकें। यह अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। इससे पूर्व मुख्यातिथि पदमश्री गुरविंद्र सिंह के रेलवे पार्क में पहुंचने पर श्रीमत सिटी सेंटर के डायरेक्टर संजीव जैन ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। मुख्यातिथि ने मास्टर ट्रेनर राहुल व उनकी टीम को संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए। भंगड़ा वर्कशॉप के दौरान मास्टर ट्रेनर राहुल व उनके साथियों ने भंगड़ा नृत्य के सरल टिप्स दिए।

खिलाड़ियों को दिया स्वास्थ्य और नशामुक्ति का संदेश

ढिंगसरा फुटबॉल ट्रायल में यूथ वीरांगनाओं ने संभाली जन जागरूकता की कमान

- संतुलित आहार और नियमित व्यायाम करने के लिए युवाओं को प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

क्षेत्र के गांव ढिंगसरा में इंडिया खेलो फुटबॉल द्वारा आयोजित फुटबॉल ट्रायल खेल प्रतिभाओं की पहचान के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता का भी प्रभावी मंच बना।

इस अवसर पर नारी शक्ति मंच की यूथ वीरांगनाओं ने खिलाड़ियों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी और नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया। यूथ वीरांगनाओं ने ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाडियों से संवाद करते हुए कहा कि खेलों में सफलता के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा खेलों के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान महिला खिलाड़ियों को विशेष रूप से मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी गई। यूथ वीरांगनाओं ने बताया कि मासिक चक्र एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए लड़कियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए, ताकि वे बिना किसी झिझक के खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

यूथ वीरांगनाओं की इस जागरूकता पहल की खिलाड़ियों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने सराहना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के साथ स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर हिना, वंदना, गीतू, नीता, पूजा, वंदना सहित नारी शक्ति मंच की यूथ वीरांगनाएं तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। गांव ढिंगसरा में ग्रामीणों को जागरूक करती नारी शक्ति मंच की यूथ वीरांगनाएं। फोटो: हरिभूमि

नशा समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा, इसके खिलाफ जनभागीदारी जरूरी: सीमा सोढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सदर थाना प्रभारी सीमा सोढ़ी ने रविवार को गांव बाजेकां में नशा मुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़ सभा आयोजित कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश की सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे की लत से व्यक्ति की सोच और व्यवहार में बदलाव आता है, जिससे वह अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पाता। इंस्पेक्टर सीमा सोढ़ी ने कहा कि नशे के कारण अपराध, हिंसा और असामाजिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होती है, जिससे समाज की शांति एवं सुरक्षा प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि नशे जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों, पुलिस प्रशासन तथा आमजन को मिलकर प्रयास करने होंगे। नशे के आदी लोगों को उपचार किया जाएगा।

सिरसा। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूक करती थाना प्रभारी सीमा सोढी।

नशा बेचने वाले की सूचना पुलिस को दें

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण के निर्देशन में जिलेभर में गांव-गांव जाकर सेमिनार एवं नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति नशा छोडना चाहता है तो उसका सहयोग करें तथा नशा बेचने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से गांव में आपसी भाईचारा बनाए रखने, रात्रि के समय टिकरी पहरा सुनिश्चित करने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल पुलिस को देने का भी आह्वान किया।

गवर्नमेंट फार्मेसी ऑफिसर एसोसिएशन ने पद्मश्री सविता पूनिया को किया सम्मानित

सिरसा। गवर्नमेंट फार्मेसी ऑफिसर एसोसिएशन हरियाणा पद्मश्री सविता पूनिया को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

गवर्नमेंट फार्मेसी ऑफिसर एसोसिएशन हरियाणा द्वारा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान एवं पद्मश्री सम्मान से अलंकृत सविता पूनिया को उनके उत्कृष्ट खेल योगदान एवं देश का नाम विश्व स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए सम्मानित किया गया।

एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि सविता पूनिया की उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनकी मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण से नई पीढ़ी को अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणांचल से निकलकर अपनी मेहनत के बलबूते पर पद्मश्री जैसे अवार्ड प्राप्त करना अपने आप में एक मिसाल है। हर माता-पिता का सपना होता है कि उसका बेटा या बेटी उनका नाम रोशन करे, लेकिन सविता पूनिया ने अनेक बाधाओं को आसानी से पार किया।

ये रहे उपस्थित

एसोसिएशन के राज्य प्रधान जगदीप, राज्य उपप्रधान प्रदीप जांगू, जिला प्रधान प्रदीप गर्ग, चीफ फार्मेसी ऑफिसर सुभाष चंद्र, सीनियर ज्वाइंट सेक्रेटरी आरके सुखचैन सहित प्रदेशभर से आए अनेक फार्मेसी ऑफिसर उपस्थित रहे।

सूर्य नमस्कार योगशास्त्र की सर्वांगपूर्ण साधना का उत्कृष्ट प्रतिमान : स्वामी विज्ञानानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

श्रीराम पार्क सेक्टर 20 हुडा में आयोजित विलक्षण योग एवं ध्यान साधना शिविर के तीसरे दिन योगाचार्य स्वामी विज्ञानानंद ने उपस्थित योग साधकों को योग के प्राण सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया।

इस दौरान उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित करना है। इसी क्रम में सूर्य नमस्कार को योग का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली अभ्यास माना जाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल बारह योगासन का क्रम नहीं, बल्कि संपूर्ण शरीर को सक्रिय, ऊजार्वान एवं स्वस्थ बनाए रखने वाली वैज्ञानिक योग पद्धति है।

नियमित रूप से सूर्य नमस्कार करने से शरीर की मांसपेशियां सुदृढ़ होती हैं, मेरुदंड लचीला बनता है तथा पाचन, श्वसन एवं रक्तसंचार तंत्र की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय सुधार होता है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। सूर्य नमस्कार भारतीय योग परंपरा की अमूल्य विरासत है, जिसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग एवं सूर्य नमस्कार के लिए निकाले तो अनेक जीवनशैली संबंधी रोगों से बचा जा सकता है।

सिरसा। शिविर में योग करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सकारात्मक ऊर्जा जरूरी

योग तनाव, चिंता एवं मानसिक थकान को दूर कर मन को शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। इसके नियमित अभ्यास से रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है तथा व्यक्ति स्वयं को अधिक ऊजार्वान एवं आत्मविश्वासी अनुभव करता है। आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं के समाधान में भी सूर्य नमस्कार प्रभावी भूमिका निभाता है। स्वामी जी ने सूर्य नमस्कार की प्रत्येक मुद्रा का सही अभ्यास कराया तथा इसके वैज्ञानिक, शारीरिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। संस्थान की सिरसा शाखा की संयोजिका साध्वी संतोष भारती ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग से योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सोनीपत को हरा सेमीफाइनल में पहुंची सिरसा की क्रिकेट टीम

सिरसा। रोहतक के महाराजा अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे टी-10 क्रिकेट टूर्नामेंट में सिरसा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अंतिम लीग मैच में सिरसा की टीम ने सोनीपत की टीम को 19 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राजेश कुमार ने बताया कि सिरसा की टीम में दिशांत (कप्तान), श्याम सुंदर सोनी, हर्ष सोनी, मानिक सोनी, नवीन, गौरव सोनी, देवांशु सोनी, अरमान, अर्जुन, मदीप कुमार, योगराज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दिशांत के नेतृत्व में टीम ने इस प्रतियोगिता में अब तक खेले गए तमाम मुकाबलों को पूरी शिद्दत से खेलकर जीता है और पूरी उम्मीद है कि उन्हीं के नेतृत्व में सिरसा इस ट्रॉफी को हासिल करेगा। राजेश कुमार ने बताया कि स्वर्णकार सेवा संघ, हरियाणा का मूल उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखकर खेलों की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भी युवाओं को खेलों की ओर अग्रसर करने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं।

रोटरी क्लब सिरसा सीनियर की कार्यकारिणी घोषित

सिरसा। रोटरी क्लब सिरसा सीनियर ने रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। क्लब अध्यक्ष डॉ. वी.एस. बंसल ने बताया कि ग्रैंड मेरिटन होटल, सिरसा में आयोजित पिछली बैठक में क्लब की लोकतांत्रिक परंपरा को ध्यान में रखते हुए रोटेरियन मनीष मेहता को वर्ष 2026-27 के लिए अध्यक्ष, रोटेरियन देवेंद्र मिगलानी को सचिव तथा रोटेरियन विष्णु सिंगला को कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। डॉ. बंसल ने कहा कि चयनित पदाधिकारी लंबे समय से सेवा गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। तथा क्लब एवं समाज के प्रति उनकी निष्ठा, नेतृत्व क्षमता एवं सक्रिय सहभागिता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें विश्वास है कि नई टीम सभी सदस्यों को साथ लेकर क्लब की सेवा परियोजनाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, युवा विकास एवं सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में प्रभावी कार्य करेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

ऑपरेशन जीवन ज्योति रतिया व टोहाना में 9 नशा पीड़ितों को उपचार से जोड़ा, विद्यार्थियों को किया जागरूक

नशा प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, ड्रग से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिला पुलिस का नशा मुक्ति अभियान लगातार प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम द्वारा रतिया और टोहाना क्षेत्र में नशा प्रभावित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें उपचार उपलब्ध कराने के साथ-साथ युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई।

नशा मुक्ति टीम के सहायक उपनिरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में रतिया क्षेत्र में तीन नशा पीड़ितों को चिन्हित कर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया में उपचार के लिए दाखिल करवाया गया। इसके अतिरिक्त गांव बुर्ज में दो अन्य नशा पीड़ितों की पहचान की गई।

टीम द्वारा गांव में अन्य प्रभावित व्यक्तियों का भी सर्वे किया जा रहा है, जिसके उपरांत विशेष नशा मुक्ति शिविर आयोजित कर सभी चिन्हित व्यक्तियों का उपचार शुरू करवाया जाएगा। अभियान के दौरान डिजिटल कम्प्यूटर सेंटर रतिया तथा विवेकानंद लाइब्रेरी में दो जागरूकता सेमिनार आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, सामाजिक जिम्मेदारी तथा नशा मुक्त जीवन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को जागरूक करते नशा मुक्ति टीम के सहायक उपनिरीक्षक सुंदर। फोटो: हरिभूमि

पुनर्वास का प्रयास

वहीं, सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में टोहाना मंडल की नशा मुक्ति टीम ने किला मोहल्ला एवं गीता कॉलोनी क्षेत्र में नशा प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें उपचार और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया। टीम ने एड्स नियंत्रण के क्षेत्र में कार्यरत शांति युवा मंडल के कार्यालय में बैठक कर नशा प्रभावित व्यक्तियों के लिए सिरिंज की उपलब्धता सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। इसके अलावा सरकारी अस्पताल टोहाना में छह नशा पीड़ितों को आवश्यक दवा उपलब्ध करवाकर उनके उपचार की प्रक्रिया सुनिश्चित करवाई गई।